खण्ड–5, अंक–1, वर्ष–2017, मु0पृ0 70–72, D.O.I. : 10.22445/avsp.v5i01.9851 शोध पत्र

कला एवं विज्ञान समूह के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन

दिनेश कुमार
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग
पी0बी0 पी0जी0 कॉलेज, प्रतापगढ़ सिटी–230002, उ0प्र0, भारत
dineshpbpg13@gmail.com

प्राप्त तिथि–30.06.2017, स्वीकृत तिथि–11.09.2017

सार– कला एवं विज्ञान समूह के विद्यार्थियों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन हेतु 40 विद्यार्थियों का समूह(20 छात्र तथा 20 छात्राएं) एवं प्रत्येक उपचार में 10 प्रयोज्य को लिया गया। जगदीश एवं श्रीवास्तव[5] के द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग प्रत्येक प्रयोज्य पर किया गया। कला वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान 95 तथा विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान 100 पाया गया। कला वर्ग के विद्यार्थियों की तुलना में विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान अधिक पाया गया यद्यपि सार्थक अन्तर नहीं था।

बीज शब्द– कला एवं विज्ञान समूह के विद्यार्थी, मानसिक स्वास्थ्य, तुलनात्मक अध्ययन।

A comparative study of mental health of Arts and Science students

Dinesh Kumar
Assistant Professor, Department Of Psychology
P.B. P.G. College, Pratapgarh City-232002, U.P., India
dineshpbpg13@gmail.com

Abstract- A comparative analysis of mental health was studied between arts and science group students comprising 40 students(20 boys and 20 girls). Ten subjects were taken in each treatment and each subject were treated individual personality with a measurement devised by Jagdish and Srivastava[5]. Two way ANOVA was experimented on the data obtained. Higher meadian was observed in science students as compared to arts, although any significant difference was not noticed.

Key words- Students of arts and science group, mental health, comparative study.

1. प्रस्तावना– आधुनिक युग में व्यक्ति दिन प्रतिदिन भौतिक होता जा रहा है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति का पर्यावरण अभौतिक से भौतिक होता जा रहा है। पर्यावरण में परिवर्तन से समाज में नई समस्याएं व्यक्ति को सरलता से जटिलता की ओर ले जा रही हैं। आज व्यक्ति के सामने समस्याएं एवं बाधाएं अधिक गतिशील व जटिल है। यही कारण है कि आज का व्यक्ति मानसिक रोगों से अधिक पीड़ित होने लगा है। आज भी अशिक्षा, अंधविश्वास व परम्परागत दृष्टिकोण के कारण हमारे समाज में मानसिक रोगों को पागल की संज्ञा दी जाती है। अब आवश्यक हो गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य के ज्ञान के साथ–साथ मानसिक रोगों के रोकथाम का उचित ज्ञान होना चाहिए। मानसिक रोगों को दूर करने के लिए सरकार व समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा, तभी सरकार द्वारा 7 अप्रैल को मनाए जाने वाले ''स्वास्थ्य दिवस'' का अर्थ सार्थक हो पायेगा। मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में किये गये प्रयासों का श्रेय एडोल्फ वेबर तथा क्लीफर्ड बियर्स को दिया जाता है। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण योगदान "ए नैशनल एसोसिएशन फॉर मेंटल हेल्थ" का है।

बी0 कुप्पूस्वामी[1] के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है दैनिक जीवन में भावनाओं, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और आदर्शों में सन्तुलन रखने की योग्यता। इसका अर्थ है जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने और उनको स्वाकार करने की योग्यता। स्ट्रेन्ज[2] ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य वैसे सीखे गये व्यवहार से होता है जो सामाजिक रूप से अनुकूलीय होते हैं और जो व्यक्ति को अपनी जीवन के साथ पर्याप्त रूप से मुकाबला करने की अनुमति देता है। कार्ल मेनिंगर[3] ने कहा कि ''मानसिक प्रसन्नता तथा प्रभावशीलता के साथ वातावरण एवं उसके प्रत्येक दूसरे व्यक्ति के साथ मानव समायोजन है– वह एक सन्तुलित मनोदशा, सतर्क बुद्धि, सामाजिक रूप से मान्य व्यवहार तथा प्रसन्नचित्त बनाये रखने की क्षमता है। हारविज तथा स्कीड[4] ने बताया कि ''मानसिक स्वास्थ्य में कई आयाम सम्मिलित होते हैं– आत्म सम्मान, अपने अंतःशक्तियों का अनुभव, सार्थक एवं उत्तम सम्बन्ध बनाये रखने की क्षमता तथा मनोवैज्ञानिक श्रेष्ठता।''[4]

मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति आत्ममूल्यांकन, आत्मविश्वास, समायोजनशीलता, जीवन लक्ष्य का चुनाव, संवेगात्मक स्थिरता, लैंगिक परिपक्वता, दूसरों को भली प्रकार समझना तथा उनकी उपलब्धि हेतु प्रयत्नशील रहना आदि प्रमुख

विशेषताएं पाई जाती हैं। इन विशेषताओं की उपलब्धता को मापने के लिए मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण का मापन किया जाता है।

2. **उद्देश्य–** प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य पर कला एवं विज्ञान समूह के छात्र/छात्राओं पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना है।

3. **परिकल्पना–**

1. मानसिक स्वास्थ्य पर कला एवं विज्ञान समूह का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।
2. मानसिक स्वास्थ्य पर छात्र एवं छात्राओं का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।
3. कला एवं विज्ञान समूह के छात्र एवं छात्राओं के मध्य अन्तक्रिया में सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

4. **अभिकल्प**– वर्तमान अध्ययन में 2X2 द्विकारक अभिकल्प स्वतन्त्र समूह का प्रयोग किया गया है जिसमें प्रथम परिवर्त्य विषय के दो स्तर कला एवं विज्ञान और लिंग के दो प्रकार छात्र एवं छात्राओं के लिए गये।

5. **प्रतिदर्श**– यह अध्ययन कुछ 40 विद्यार्थियों पर किया गया, जिसमें कला वर्ग के 20 विद्यार्थी तथा विज्ञान वर्ग के 20 विद्यार्थी थे। इनमें कला वर्ग के 10 छात्र व 10 छात्राएं तथा विज्ञान वर्ग के 10 छात्र व 10 छात्राएं शामिल की गयी।

6. **सामग्री**– मानसिक स्वास्थ्य का मापन करने के लिए जगदीश एवं श्रीवास्तव[5] द्वारा बनायी गई मापनी है।

7. **विश्वसनीयता**– मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण की विश्वसनीयता गुणांक + 0.73 पाया गया।

8. **प्रशासन प्रक्रिया**– सर्वप्रथम हमने प्रयोज्यों को सहज वातावरण में बैठाया, फिर उनसे सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किये। तत्पश्चात् उनसे कहा कि मैं जो आपको प्रपत्र दे रहा हूँ, इनमें 56 कथन दिये हुए हैं। जो आपकी विशेषताओं से सम्बन्धित हैं। प्रत्येक कथन के चार विकल्प हैं– हमेशा, अधिकतर, कभी–2 और कभी नहीं। आपको कथनों का उत्तर इन विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन कर व्यक्त करना है, जो कथन आपको उचित लगता है उस कोष्ठक में सही का निशान लगा दें।

9. **प्राप्तांक**– मानसिक स्वास्थ्य मापनी में 56 कथन हैं, इनमें 24 कथन सकारात्मक तथा 32 कथन नकारात्मक हैं। इसमें सकारात्मक में 4, 3, 2, 1 अंक दिये तथा नकारात्मक में 1, 2, 3, 4 अंक दिये। इस प्रक्रिया द्वारा प्रयोज्यों के मानसिक स्वास्थ्य प्राप्तांक को ज्ञात किया गया।

10. **परिणाम–** प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य कला एवं विज्ञान वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना था। अध्ययन से प्राप्त प्राप्तांकों के सांख्यिकी विश्लेषण में टू वे एनोवा का प्रयोग किया गया। प्राप्त परिणाम निम्न तालिका–1 में दर्शाया गया है।

तालिका–1

प्रसारण के स्रोत Source of Variance	वर्गों का योग S.S.	D.F.	M.S.	F-Ratio
अ. (कला एवं विज्ञान)	10.0	1	10.0	0.424
ब. (लिंग)	422.5	1	422.5	17.89
अ x ब	96.1	1	96.1	4.07
त्रुटि	849.8	36	23.61	
योग	1378.4	39		

$$F.95(1,\ 36) = 4.11$$
$$F.99(1,\ 36) = 7.39$$

11. **निष्कर्ष–** प्रस्तुत शोध पत्र में पाया गया कि मानसिक स्वास्थ्य पर कला एवं विज्ञान वर्ग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। छात्र एवं छात्राओं का प्रभाव 0.05 तथा 0.01 df पर सार्थक पाया गया जबकि अन्तः क्रिया के मध्य सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। छात्रों का मध्यमान = 94.5 तथा छात्राओं का मध्यमान = 94 पाया गया। विज्ञान समूह के विद्यार्थियों का मध्यमान 100 तथा कला वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान 95 पाया गया।

सन्दर्भ

1. कुप्पूस्वामी, बी0(1962) मैनुअल ऑफ सोशियोइकोनॉमिक स्केल(अर्बन), मानसयन, दिल्ली, भारत।
2. स्ट्रेन्ज(1965) एबनार्मल साइकोलॉजी, टाटा मैक्ग्रॉ पब्लि0 कं0, पृ0 440।
3. मेनिंगर, के0 ए0(1945), ह्यूमन माइंड, न्यूयार्क, लिटररी गिल्ड ऑफ अमेरिका।
4. हारवित्ज, ए0 वी0 एवं स्कीड, टी0 एल0(1999) ए हैण्डबुक फॉर द स्टडी ऑफ मेण्टल हेल्थ, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, पृ0 2।
5. जगदीश, एस0 एवं श्रीवास्तव, ए0 के0(1983) मैनुअल फॉर मेन्टल हेल्थ इंवेन्टरी, मनोवैज्ञानिक परीक्षण संस्थान, वाराणसी।